महाविद्यालय समाचार दर्शन

अंक- २७ जुलाई २०२० से सितम्बर २०२०

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ एवं विद्यार्थी व्यक्तित्व उन्नयन

प्रमुख सुर्खियाँ

विश्व जनसंख्या दिवस पर राष्ट्रीय ई–बेवीनार
Mind Your mind in pandemic time
कालेज चलो अभियान
''एक भारत श्रेष्ठ भारत''
विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर ऑनलाईन फोटोग्राफी प्रतियोगिता
SWAYAM (NPTEL) Local Chapter
जैवविविधता पंजी एवं जैवविविधता प्रबंधन
स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण गंदगी मुक्त भारत अभियान
राष्ट्रीय सेवा योजना एवं क्रीडा विभाग
ओपन बुक परीक्षा

डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन
प्राचार्य एवं संरक्षक

डॉ. (श्रीमती) रश्मि श्रीवास्तव
गुणवत्ता प्रकोष्ठ प्रभारी

संपादक मण्डल
डॉ. संगीता अहिरवार, डॉ. अरुण सिकरवार
मुद्रण एवं ग्राफिक्स
जलज श्रीवास्तव, बलराम यादव, राजेश कुमार यादव एवं मनोज कुमार सिसोदिया

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, होशंगाबाद (म.प्र.)

प्राचार्य की कलम से.....

महाविद्यालय समाचार दर्शन के सत्ताईसवें अंक के प्रकाशन पर अत्यंत हर्ष का अनुभव कर रही हूँ। माह जुलाई से सितम्बर 2020 के मध्य छात्राओं के व्यक्तित्व निर्माण एवं नैतिक गुणवत्ता के उन्नयन हेतु महाविद्यालय में सतत् शैक्षणिक एवं शैक्षणोत्तर गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहा है। महाविद्यालय में कार्यरत विभिन्न समितियों, प्रकोष्ठ एवं विभागों की महाविद्यालय में सचालित गतिविधियों में अहम भूमिका रही है।

महाविद्यालय का वातावरण एवं महाविद्यालयीन परिवार का सहयोग छात्राओं के भविष्य निर्माण में नीव का पत्थर सिद्ध होगा। मैं इस अंक के प्रकाशन के लिए महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ एवं बधाई देती हूँ।

डॉ. (श्रीमती) कामिनी जैन

प्राचार्य एवं संरक्षक

संपादकीय .....

महाविद्यालय 'समाचार दर्शन' का नवीन अंक आपके सामने प्रस्तुत है। 'समाचार दर्शन' के पूर्व में प्रकाशित अंकों में आपकी सराहना से हम हर्षित है। आपकी

प्रेरणा से प्रेरित हो नवीन अंक को ओर अधिक बेहतर बनाने हेतु प्रेरित है महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रथम टेस्ट एवं विश्वविद्यालयीन सेमेस्टर परीक्षाओं के माध्यम से अपनी योग्यता एवं गुणवत्ता का लोहा मनबाया है। शैक्षणिक एवं शैक्षणोत्तर उपलब्धियों के मान से यह समय अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय रहा है। जिन छात्राओं ने अपनी योग्यता को सिद्ध किया है। उन्हें शुभकामनाएँ।

विश्व जनसंख्या दिवस पर राष्ट्रीय ई–बेवीनार का आयोजन

श्री माखनलाल चतुर्वेदी शासकीय महाविद्यालय बाबई के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा कोविड–19 क्राइसेस एण्ड इट्स इम्पेक्ट ऑन वर्ल्ड डेमोग्राफी एण्ड इकोनोमी विषय पर राष्ट्रीय बेवीनार का आयोजन किया गया। बेवीनार का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने सरस्वती पूजन से किया। डॉ. जैन ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सोहागुपर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री ठाकुर विजयपाल सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए महाविद्यालय के विकास में योगदान का अनुरोध किया एवं सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि आज विश्व जनसंख्या दिवस है और अनुमानित ऑकडों से देखा जाये तो आज हमारी जनसंख्या 130 करोड के पार पहुॅच गई है देश की बढती आबादी और घटते संसाधनों से 21बी सदी की यह सबसे बडी चुनौती है आज एक और चुनौती कोविड –19 महामारी के रूप में हमारे सामने आई है जिसनें हमारे देश की अर्थ व्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव डाला है। आज बेरोजगारी जैसी समस्या लॉकडाउन और अनलॉक दोनो ही स्थिति में देखी गई। इस विकट परिस्थिति के कारण जीवन शैली में परिवर्तन देखा गया है। और इस परिस्थिति से बचने के लिए हमें अपने शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना होगा। हमें भय के साथ नही कोरोना से सुरक्षा करते हुए अपने जीवन को जीना होगा क्योकि भय, चिन्ता, तनाव हमारी प्रतिरोधक क्षमता को कम करती है।

बेवीनार के संयोजक डॉ. डी.एस. खत्री ने अपने वक्तव्य में बताया कि आज पूरा विश्व इस वैश्विक महामारी से जूझ रहा है। दिन प्रति दिन इसका संक्रमण तेजी से बढता जा रहा है। हम सभी इस महामारी से बचने के नये तरीके खोज रहे है परंतु विश्व में जन सांख्यिकी और अर्थ व्यवस्था पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड रहा है। आज के परिवेश में कुछ विषय ऐसे भी है जो बिचारनीय है जैसे केन्द्र शासन द्वारा बीस लाख करोड का राहत पैकेज, प्राईवेट कंपनियों मे लगे युवाओं की नौकरी पर संकट, प्रवासी भारतीयों का विदेशों में नौकरी जाने से आर्थिक संकट, प्रवासी मजदूरो का शहर से ग्रामीण अंचल में पलायन से बढता संक्रमण आदि विषय पर चर्चा के लिए अस बेवीनार का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. मोना खरे ने अपने उद्बोधन में बताया कि आज की अवस्था में मानव संसाधन में विकास की गति धीमि हो गई है और तीन चुनौतियों को सामने लाई है अर्थव्यवस्था, मानव संसाधन का प्रभाव और आज के विश्व को ग्लोवल विलेज के रूप में जाना जाना। उन्होने बताया कि वैश्विक वृद्धि दर में अगर 1 प्रतिशत की बढौतरी होती है तो लगभग 2.2 करोड नौकरियॉ विश्व में कम हो जाती है। आर्थिक पैकेज की सबसे महत्वपूर्ण बात मुद्रा की मात्रा नही बल्कि पूरे पैकेज की क्षमता होती है। यह देखने वाली बात होगी की ये आत्मनिर्भर पैकेज से क्या क्या परिणाम मिलते है।

विशिष्ट अतिथि डॉ सी. के. पी. शाही विभागाध्यक्ष बिहार विश्वविद्यालय ने बताया कि इस समय रोजगार के लिए एक विकट समस्या सामने उभर कर आई है पब्लिक और प्राईवेट सेक्टर से जुडे लोगों के लिए बेरोजगारी के कारण आर्थिक संकट और भविष्य दोनो ही खतरे में है। बेरोजगार युवा स्वयं और परिवार की देखभाल करने में असक्षम मान रहे है। जो अवसाद का एक बडा कारण बताया जा रहा है।

मुख्य अतिथि डॉ. एस.पी. सिंह भोपाल ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कोविड का संक्रमण फैल रहा है इस फैलाव को विश्व बैंक की इंडक्सन के माध्यम से समझाया जा सकता है उन्होने विभिन्न सेक्टर पर काम करने की क्षमता और पर्यावरण के क्षैत्र में आवश्यक कदम उठाने की ओर ध्यान केन्द्रित किया।

अतिथि वक्ता डॉ. शरद तिवारी ने बताया कि इस मानव जनित वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए भारत सरकार द्वारा लॉकडाउन जैसी व्यवस्था का होना आवश्यक बताया। इस काल में गडबडाई अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए अतिरिक्त सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया जैसे किसानों की समस्या डिजिटल पेमेंट को वर्तमान में बढावा देना।

बी काम द्वितीय वर्ष के छात्र सुभाष निमोदा ने स्कूल, कालेज में ऑनलाईन पढाई को और डिजीटल तकनीक की तरफ ध्यान दिलाया गया। बीए अंतिम वर्ष की छात्रा आरती यादव ने कोविड –19 से अर्थ व्यवस्था पर होने वाले गंभीर प्रभाव पर प्रकाश डाला। श्रीमती राजेश जैन, निकेत शर्मा, महेश नागर एवं प्रीति कौरव ने अपने बिचार व्यक्त किए। डॉ. अरूण सिकरवार ने इस ज्वलंत विषय अपने बिचार व्यक्त किए। श्री अमिताभ शुक्ला ने बेवीनार की रूपरेखा और विषय प्रकाश डाला। बेवीनार का संचालन श्रीमती आभा बाधवा ने किया और आभार डॉ. अंजुम अंसारी ने किया।

Mind Your mind in pandemic time

शरीर के पोषण के लिए जिस तरह भोजन की आवश्यकता होती है वैसे ही मन मस्तिस्क के पोषण के लिए अच्छे विचार अच्छी भावनाओं की आवश्यकता होती है। यह कथन शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय बेवीनार Mind Your mind in pandemic time' में प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन द्वारा बताया गया।

अंतर्राष्ट्रीय बेवीनार का शुभारंभ मॉ सरस्वती की स्तुति के साथ किया गया। प्राचार्य डॉ. जैन ने समस्त अतिथियों का स्वागत अभिनंदन करते हुए बताया कि इस वेबीनार का विशेष सहयोग डॉ. कमल वाधवा का रहा। यह वेलनेस कार्यक्रम एक

स्वास्थ्य कार्यक्रम है यह एक व्यापक स्वास्थ्य पहल है जिसे उचित आहार, व्यायाम तनाव प्रबंधन और बीमारी की रोकथाम के माध्यम से अच्छी तरह से बनाए रखने या सुधारने के लिए डिजाईन किया गया है। आज इस वैश्विक महामारी के चलते हमारी जीवन शैली में अचानक परिवर्तन हो गया है। आज कोरोना के कारण सामाजिक दूरी को बनाए रखने की आवश्यकता पड रही है। मनुष्य सामाजिक प्राणी है उसे अकेले रहना पसंद नही है। परंतु बीमारी के कारण अकेलापन बढ़ने से अवसाद बढ़ रहा है। कोरोना के कारण बच्चों की जीवनशैली में भी परिवर्तन आए है। उन्हे भी विद्यालय और खेल मैदानों से दूरी बनानी पड़ रही है। आज बच्चे घरों में कैद हो गए है और दीवारों व घर के अन्दर के खेल खेलते खेलते थक गए है। हम बच्चों को हमेशा मोबाईल इंटरनेट के प्रयोग से दूर रखने का प्रयास करते थे परंतु आज उनकी ऑनलाईन क्लासेस उसी से चल रही है। यह परिवर्तन हम सभी को विचलित कर रहा है इन परिस्थितियों में वेलनेस कार्यक्रम निश्चित लाभदायक होगा।

वेबीनार के अतिथि वक्ता डॉ. अविनाश शर्मा ने अपने उद्बोधन में बताया कि हम सभी प्रकृति के ऋणी है और उसके ऋण को उतारने का सबसे अच्छा मौका इस महामारी ने दिया है। इसलिए प्रकृति से प्रेम कीजिए वर्तमान समय जल्द ही गुजर जायेगा इसके लिए हमें अपने दिल व दिमाग को मरने नही देना है क्योकि दिमाग हार गया तो दिल भी खत्म हो जायेगा। डॉ.

शर्मा ने कोरोना को जानना जरूरी बताया। ये क्या है इसके लक्षण क्या है सामान्य बी.एम.आई. कितना होना चाहिए और इससे किस प्रकार बचा जा सकता है उन्होने कोरोना से जुड़ी भ्रांतियों को भी स्पष्ठ किया। उन्होने बताया कि आज के समय में पॉजिटिव शब्द सबसे ज्यादा नेगेटिव हो गया है। परंतु हम अपने आप को नेगेटिव न होने दे। अपने परिवार के साथ समय बिताए अपनी प्रतिभाओं को पहचाने और जीवन के नये अनुभवों को आनंद ले।

डॉ. अरविंद नायक ने बताया कि मन को हम नियंत्रित नही कर सकते मन को दिमाग की नियंत्रित कर सकता है। इस महामारी में होने वाले परिवर्तन से डरे नही क्योकि परिवर्तन से आप कुछ अच्छा खो सकते है लेकिन आप कुछ बेहतर पा भी सकते है।

डॉ. सुचिता सेठ ने अपने वक्तव्य में बताया कि कोरोना वायरस ने जो एक बहुत छोटा ऑखों दिखाई न देने वाले वायरस ने हमें भय के साथ जीवन जीना सिखा दिया है मनुष्य ने अपने तथा दूसरे के जीवन को बहुत हल्के में ले लिया था और यह मान लिया था कि जीवन हमारे अनुसार चलता है। परंतु इस वायरस ने हमें हमारे जीवन के मूल्यों को समझा दिया पहले मृत्यु से बवने के लिए प्रयास करते थे पर आज हम जीवन को बचाने के लिए मजबूर है। यह एक बडा परिवर्तन है। हम सभी के लिए एक प्रयास के रूप में सामने आया है हम अपने अंतरआत्मा को पहचानने का अच्छा समय है। पहले हमारा जीवन सकारात्मक नकारात्मक विचारों से उलझा रहता था मनुष्य की प्रवृत्ति नकारात्मक के प्रति अधिक थी। आज हमने इन दोनो विचारों के बीच साकारात्मक बिचार को महसूस किया और अच्छे बिचारों को हमारे जीवन में शामिल किया और यही बिचार हमें इस बीमारी से लडने की ताकत प्रदान करेगा।

अंतिम वक्ता अनुपमा अनुश्री ने बताया कि विवेकानंद जी ने कहा है कि जैसे आपके बिचार होते है आप वैसे ही बन जाते है और हमारा दिमाग विचारों की फैक्ट्री है जिसमें सभी प्रकार के विचार निरंतर आते रहते है। हम कैसे बनते है इसका पूरा दारोमदार हमारे दिमाग में रहता है यह जानना आवश्यक है कि हमारे विचार किस तरफ जा रहे है। अगर हमें हमारी जीवन शैली को समझना है तो विचारों की प्रकृति को समझना होगा। अगर हम नकारात्मक विचार रखते है तो हमारे चारो तरफ बुरी चीजे ही दिखाई देंगी और अगर हमारे विचार सकारात्मक है तो बुरी चीजें भी हमें प्रेरणा प्रदान करेंगी आई.टी. सेल प्रभारी डॉ. अरूण सिकरवार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस विषम परिस्थिति में सकारात्मक विचार का ही महत्व है जिसके जैसे विचार होंगे उनको जीवन वैसे ही दिखाई देगा।

कालेज चलो अभियान

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में आज ऑनलाईन कालेज चलो अभियान के अंतर्गत बैठक का आयोजन किया गया जिसमें प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन एवं ई प्रवेश नोडल अधिकारी डॉ. अरूण सिकरवार ने ऑनलाईन कालेज चलो अभियान की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। कालेज में प्रवेश लेने वाले प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को ऑनलाईन के माध्यम से ई प्रवेश की जानकारी दी जावेगी। डॉ. जैन ने बताया कि महाविद्यालय में ई प्रवेश से लेकर विषय चयन, विषय की उपयोगिता और महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाएँ मध्यप्रदेश शासन की उच्च शिक्षा विभाग द्वारा

संचालित योजनाएँ, छात्रावास, संबंधी सुविधाओं के बारे में बताया जायेगा। सर्वप्रथम प्राध्यापकों द्वारा छात्राओं को फोन से संपर्क कर उनकी जानकारी ली जावेगी और वाट्सएप नंबर के माध्यम से मेसेज दिया जायेगा यदि किसी के पास वाट्सएप नंबर नही होगा तो टेक्स मेसेज के माध्यम से जानकारी दी जायेगी। निर्धारित समय पर एक लिंक के माध्यम से उन सभी विद्यार्थियों को गूगल मीट के द्वारा ई प्रवेश में उपयोगी होने वाले जरूरी दस्तावेज विषय से संबंधित फीस रोजगार के अवसर आदि की गूगल मीट के द्वारा जानकारी दी जायेगी। इसमें विद्यार्थियों को प्रवेश संबंधी होने वाली समस्याओं और उनसे जुडे समाधान के लिए नोडल अधिकारी डॉ. अरूण सिकरवार और विषय प्राध्यापक के मोबाईल नंबर ऑनलाईन गूगल मीट पर दिये जायेंगे। जिससे छात्राएँ अपनी प्रवेश संबंधी समस्याओं का मोबाइल पर भी समाधान कर सकती है। इस अभियान के अंतर्गत स्ववित्तीय पाठ्यक्रम एवं पी.जी.डिप्लोमा पाठ्यक्रम की जानकारी भी प्रदान की जायेगी। वर्तमान एवं भूतपूर्व स्नातक छात्राओं की इस मीटिंग में जोडने का प्रयास किया जा रहा है। वैश्विक महामारी कोविड 19 कारण इस वर्ष छात्राएँ हेल्प डेस्क तक नही आ पा रहे है और समस्त प्रवेश ऑनलाईन के माध्यम से होंगे। सभी प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी ऑनलाईन सेंटर पर जाकर कियोस्क के माध्यम से ई प्रवेश ले सकेंगे इसीलिए महाविद्यालय द्वारा गूगल मीट के माध्यम से प्रवेश संबंधी जानकारी छात्राओं को दी जायेगी।

दिनॉक 23.07.2020 को महात्मा गॉधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा स्वच्छता एक्शन प्लान पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्, मानव संसाधन विकास मंत्रलाय, भारत सरकार द्वारा शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद को स्वच्छता संबंधि गतिविधियों के लिये प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया है। आज दिनॉक 23.07.2020 को महात्मा गॉधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा स्वच्छता एक्शन प्लान पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मध्यप्रदेश के उच्चशिक्षा संस्थानों नें भागीदारी की इस कार्यशाला में शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद, शासकीय कन्या महाविद्यालय इटारसी, शासकीय कुसुम महाविद्यालय सिवनीमालवा, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिपरिया के प्राचार्य एवं प्राध्यापकों ने अपने वक्त्व्य प्रस्तुत किए सत्र की शुरूआत में ख्याति धुर्वे रिसोर्स परशन (एस.ए.पी, एम.जी.एन.सी.आर.ई.–एम.एच.आर.डी.) द्वारा स्वच्छता एक्शन प्लान के अंतर्गत स्वच्छ केम्पस, जल शक्ति केम्पस एवं जल शक्ति ग्राम के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की । इसके पश्चात शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने वक्त्व्य में बताया कि महाविद्यालय परिसर को हरा भरा रखने हेतु औषधी उद्यान, गुलाब उद्यान, फूलों का उद्यान – इसमें ऐसे फूल के पौधे लगाएँ गए जो तितली को आकर्षित करते हैं, किचन उद्यान ,पोषण उद्यान का निर्माण किया गया है। अगले क्र में डॉ. जैन ने बताया कि महाविद्यालय की स्वच्छता के लिए गीले/सूखे कचरे के संधारण हेतु हरे एवं नीले डस्टबिन का उपयोग किया जाता है,सेनेटरी नेपकिन के डिस्पोज के लिए इनसीनीरेटर का उपयोग किया जाता है,छात्रावास से निकलने वाले भोजन के गीले कचरे का उपयोग बायोगेस संयंत्र में किया जाता है,परिसर से निकलने वाले गार्डन के कचरे का उपयोग केचुआ खाद के लिए किया जाता है, मशरूम उत्पादन के बाद उसके बेग तथा भूसे का उपयोग खाद के निर्माण में किया जाता है, महाविद्यालय के हर कक्ष में डस्टविन रखा गया है, छात्राओं को स्वच्छता प्रेरक (मोटीवेटर)

बनाकर स्वच्छता का संदेश समाज में प्रचारित प्रसारित किया जाता है, महाविद्यालय के सभी संकायों में स्टार ग्रुप का निर्माण किया गया जिसके माध्यम से इसमें सम्मिलित छात्राऍं अन्य छात्राओं को जागरूक करती है, महाविद्यालय द्वारा पर्यावरण मित्र पुरूस्कार प्रदान किया जाता है, एन.सी.सी0/एन.एस.एस. के माध्यम से साप्ताहिक स्वच्छता अभियान भी चलाया जाता है, स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन हेतु सेमीनार/वर्कशॉप/वेबीनार के आयोजन सतत् किए जाते है, महाविद्यालय परिसर को गाजरघास एवं पालीथीन मुक्त परिसर में परिवर्तित किया गया है, महाविद्यालय की छात्राओं के लिए ईकोफ्रेंडली मूर्तियों के लिए प्रशिक्षण प्रतिवर्ष आयोजित किए जाते है, तथा ऊर्जा संरक्षण के लिए परिसर में सोलर पेनल का इस्तेमाल किया जाता है, महाविद्यालय के कक्षों में एल.ई.डी. बल्ब का उपयोग किया जाता है, कक्षाओं के बहार निर्देश पट्टिका लगाई गई कि उपयोग न होने पर पंखे, लाईट बंद करे, बिजली की खपत बचाने हेतु महाविद्यालय में सोलर प्लांट स्थापित किया गया, महाविद्यालय में उक्त बातों का प्रचार प्रसार करने हेतु सेमीनार/वर्कशॉप /वेबीनार आयोजित किए जाते है, एवं जल संरक्षण हेतु परिसर में स्थापित उद्यानों में सिंचाई हेतु स्प्रिंकल का उपयोग किया जाता है, जल संरक्षण हेतु राष्ट्रीय संगोष्ठी/वर्कशॉप/ अंतराष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया जाता है, जल संरक्षण हेतु प्रांगण में निर्देश पट्टिकाऍं लगाई गई है, परिसर में वाटर हार्वेस्टिंग का उपयोग किया जा रहा है।

इसके पश्चात डॉ. रवि उपाध्याय, प्राध्यापक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिपरिया ने बताया कि हरियाली ही केवल एक मात्र जरिया है जिसके द्वारा हम हमारे वातावरण को स्वच्छ कर सकते है उन्होने बताया कि वर्षा का केवल 15 प्रतिशत जल ही संरक्षित हो पाता है और भूमिगत जल अत्यधिक दोहन से इसकी कमी होती जा रही है। स्वच्छता के विषय में बताया कि यदि हम अपने घर को स्वच्छ रखें तो देश स्वयं ही स्वच्छ हो जायेगा। उन्होने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण को अनिवार्य बताया साथ ही प्रत्येक पौधे की उपयोगिता के विषय में चर्चा की।

इसके पश्चात डॉ. हेमंत चौधरी ने बताया कि होशंगाबाद जिले में किन किन क्षेत्रों में भू–जल स्तर की स्थिति बहुत ही गंभीर है क्योंकि यहॉ पर कृषि कार्य में भूमिगत जल का अत्यधिक उपयोग किया जाता है

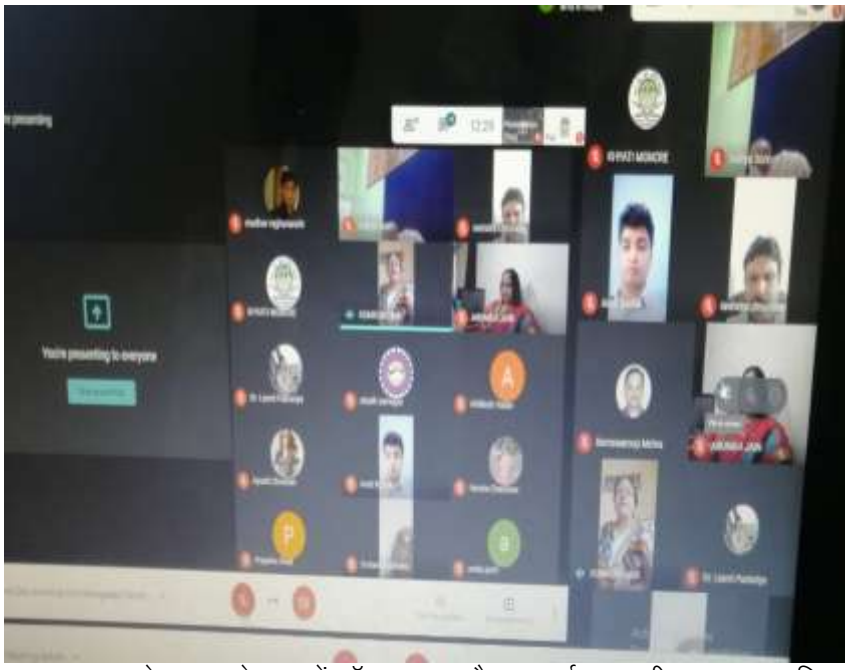

इसके पश्चात डॉ. संतोष ममीला ने बताया कि वे लगभग 200 से अधिक कार्यशाला आयोजित कर चुके है जिसमें वे कोविड 19 के दौरान किस प्रकार हम शिक्षण कार्य कर सकते है और इसका लाभ छात्र कैसे प्राप्त कर सकते है इत्यादि विषय पर चर्चा की।

इसके पश्चात डॉ. लक्ष्मी पस्टारिया ने हरियाली और हमारे आसपास की स्वच्छता पर अपने बिचार रखे।

अगले वक्ता के रूप में डॉ. संगीता पारे ने बताया कि किस प्रकार सौर उर्जा के उपयोग से हम अपने वातावरण को स्वच्छ रख सकते है।

अगले वक्ता के रूप में डॉ. कुमकुम जैन प्राचार्य, शासकीय कन्या महाविद्यालय इटारसी ने बताया कि कोविड 19 के दौर में जिस प्रकार हमारी जीवन शैली बदल गई है वैसे ही सेनीटेशन का तरीका बदलना आवश्यक है महाविद्यालय में ऑफिस, स्टॉफ रूम के बाहर सेनेटाईजर मशीन लगवाई गई है एवं फर्नीचर, खिडकी एवं दरवाजे को की स्प्रे सेनेटाईजर मशीन के द्वारा सेनेटाइज्ड किया जा रहा है।

डॉ. राजेश रघुवंशी, प्राचार्य, शासकीय कुसुम महाविद्यालय सिवनीमालवा ने बताया कि महाविद्यालय में साफ सफाई एवं हरियाली का विशेष ध्यान रखा जा रहा है अनुपयोगी वस्तुओं द्वारा वर्मी कम्पोष्ट का उत्पादन किया जा रहा है।

''एक भारत श्रेष्ठ भारत''

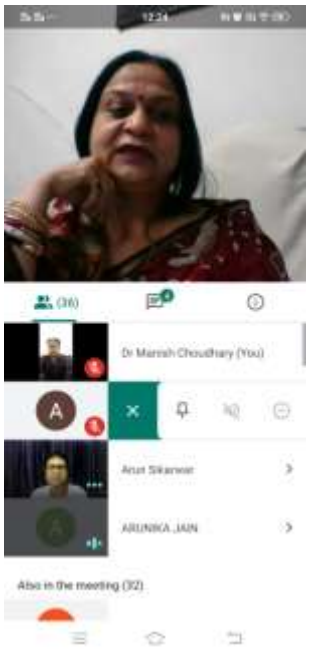

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद में आज दिनॉक 27.07. 2020 को प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' योजना के अंतर्गत गूगल मीट प्लेटफार्म पर ऑनलाईन बेवीनार का आयोजन हुआ। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' योजना केन्द्र सरकार की योजना है, जिसका शुभारंभ भारत के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी ने 2016 में किया एवं सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय इस योजना को संचालित कर रहा है। इस योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के महाविद्यालयों को मणिपुर एवं नागालैंड के महाविद्यालयों से युग्मित किया गया है।

इसी तारतम्य में शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद को मणिपुर के मोरिंग महाविद्यालय जिला विष्णुपुर से युग्मित किया गया है। वर्तमान समय में व्यक्तिगत, सामाजिक, आर्थिक, नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। यह समय में हमें अपने संस्कृति को जानकर अपनाने का श्रेष्ठ समय है। छात्र–छात्राएँ ही हमारे देश ही धरोहर है अतः उन्हे भारत की विविध संस्कृतियों से अवगत कराना ही इस योजना का मुख्य उद्देश्य है।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. संध्या राय ने बताया कि ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता को दर्शाने वाली अनूठी योजना है। भारत के सभी राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में संबंध स्थापित करने हेतु इस योजना की शुरूआत की गई है। विगत माहों में इस योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम जैसे – रैली, स्लोगन प्रतियोगिता, परिचर्चा, नृत्य, गायन आदि होते रहे है। इस माह में कोरोना महामारी के कारण ऑनलाईन प्लेटफार्म पर प्रश्नमंच एवं बेवीनार का आयोजन किया जा रहा है।

बेवीनार की मुख्य वक्ता नर्मदा नर्सिंग महाविद्यालय होशंगाबाद की प्राचार्य डॉ. चोंगथम पिंकी देवी ने मणिपुर की सामाजिक व्यवस्था, त्योहार, पारंपरिक वेश भूषा, खान पान, लोक नृत्य, लोक गीत, हस्तकला सहित मणिपुर की संस्कृति पर विस्तार पूर्वक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन आई टी सेल प्रभारी डॉ. अरूण सिकरवार ने किया

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा एक ऑनलाईन फोटोग्राफी प्रतियोगिता

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद में दिनॉक 28.07.2020 को प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा एक ऑनलाईन फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. अरूण सिकरवार एवं आयोजन सचिव डॉ. मनीष चंद्र चौधरी के निर्देशन में यह प्रतियोगिता संचालित की गई। डॉ. जैन ने बताया कि आज इस दिवस पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हमें हमारी प्रकृति की सुरक्षा करनी है क्योंकि प्रकृति ही हमें जीवन प्रदान करती है ।

इस प्रतियोगिता में प्रतियोगियों को 10 दिवस का समय दिया गया था जिसमें उनके द्वारा विभिन्न केटेगिरी में फोटो ग्राफ बुलवाए गऐ थे। सभी केटेगिरी में 78 फोटोग्राफ आए एवं उनका निर्णय निर्णायक समिति द्वारा किया गया। इस समिति में डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ,डॉ. के. डब्ल्यू शाह एवं डॉ. रवि उपाध्याय रहे।

लेण्डस्केप केटेगिरी में प्रथम मनोज कुमार सिसोदिया, द्वितीय ज्योति सिसोदिया एवं तृतीय श्रेया वैश रहे।

रिपेरियन जोन केटेगिरी में प्रथम शैलेन्द्र तिवारी, द्वितीय विनीत कुमार अग्रवाल एवं तृतीय अनुराधा प्रजापति रहे।

वनस्पति केटेगिरी में प्रथम रीना मालवीय, द्वितीय वैशाली लाल एवं तृतीय रामानुज पटैल रहे।

एनीमल केटेगिरी में प्रथम हर्षिता चौरे रही। इस अवसर पर सभी विजेता प्रतियोगियों को प्रमाण पत्र ईमेल के माध्यम से प्रदान किए गये।

कालेज चलो अभियान 06.08.2020

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद में मध्यप्रदेश शासन के कालेज चलो अभियान को सफल बनाने हेतु आज दिनॉक 06.08.2020 को प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में गूगल मीट प्लेटफार्म पर ऑनलाईन मीटिंग का आयोजन हुआ जो संभवतः प्रदेश में प्रथम सार्थक प्रयास है प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि वर्तमान समय में कोरोना महामारी के कारण प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाईन होगी। प्रथम चरण में जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक प्राचार्यों से अतिथि विद्वानों द्वारा माह जनवरी 2020 में सम्पर्क किया एवं उनसे कक्षा 12 वी की छात्राओं की सूची एवं उनके अभिभावकों के मोबाईल नंबर देने का आग्रह किया प्राचार्यो को महाविद्यालय आयोजित बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होने कहा किसी भी तरह की समस्या या प्रवेश संबंधी जिज्ञासा होने पर महाविद्यालय में हेल्प डेस्क सक्रिय है वहॉ जानकारी प्राप्त हो सकती है साथ ही महाविद्यालय का फोन नंबर और विषय संबंधित प्राध्यापक के मोबाईल नंबर भी दिये जा रहे है। जिन पर अभिभावक और विद्यार्थी संपर्क स्थापित कर सकते है।

डॉ. जैन ने बताया कि जिले में 27 महाविद्यालय है जिनमें 13 शासकीय एवं 13 अशासकीय तथा 1 अनुदान प्राप्त महाविद्यालय है, विद्यार्थी किसी भी शासकीय महाविद्यालय से प्रवेश आवेदन फार्म सत्यापित करवा सकते है। भविष्य में भी आवश्यकता पडने पर संकायवार एवं विषयवार ऑनलाईन मीटिंग का आयोजन किया जावेगा।

डॉ. मनीष चंद्र चौधरी ने कालेज चलो अभियान की विस्तृत जानकारी प्रदान की कि एवं बताया कि विद्यालयों द्वारा प्राप्त सूची के आधार पर अभिभावकों से सम्पर्क कर लगभग 400 छात्रा/अभिभावकों को महाविद्यालय के वाट्सअप ग्रुप में जोडा गया एवं गूगल मीट पर पी.पी.टी. प्रजेंटेशन के माध्यम से महाविद्यालय से संबंधित जानकारी दी गई।

प्रवेश प्रक्रिया नोडल अधिकारी डॉ. अरूण सिकरवार ने बताया कि सत्र 2020–21 की ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया 5 अगस्त से प्रारंभ हो चुकी है विद्यार्थी स्वयं अथवा एम.पी. ऑनलाईन के कियोस्क सेंटर समस्त मूल प्रमाण पत्र लेकर जायें एवं पंजीयन के पश्चात ऑनलाईन सत्यापन भी कराऍं ऑनलाईन सत्यापन नही हो पाने पर किसी भी महाविद्यालय में जाकर सत्यापन कराया जा सकता है।

श्री शैलेन्द्र तिवारी ने महाविद्यालय की अधोसंरचना, महाविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम, संकाय वार प्रवेश शुल्क की जानकारी दी।

डॉ. नीतू पवांर ने बताया कि महाविद्यालय में वर्मी कम्पोष्ट, मधुमक्खी पालन, बायोगेस, मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे छात्राऍं स्वरोजगार से जुडकर आत्मनिर्भर बन सकती है साथ ही महाविद्यालय स्वामी विवेकानंद मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, एम.पी. कॉन द्वारा अल्पावधि रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण भी दिया जाता है। छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु एन.सी.सी. एवं एन.एस.एस. की ईकाइयॉ भी महाविद्यालय में संचालित है। छात्राओं हेतु निर्धारित ड्रेसकोड एवं आई डी कार्ड की अनिवार्यता है छात्रा सुरक्षा हेतु महाविद्यालय का संपूर्ण परिसर सी.सी.टी. वी केमरो से युक्त है। छात्राओं को 75 प्रतिशत उपस्थिति होने पर पुरस्कृत किया जाता है। महाविद्यालय में प्रतिभा बैंक, व्यक्तित्व विकास,शिक्षक अभिभावक योजना एवं भूतपूर्व छात्रा संघ गठित है। कन्या महाविद्यालय होने के कारण छात्राओं के लिए वेंडिग मशीन और हाईजीन को ध्यान में रखते हुए इंसीलेटर की सुविधा उपलब्ध है।

डॉ. वर्षा चौधरी ने विज्ञान संकाय की छात्राओं को प्रवेश प्रक्रिया का मार्गदर्शन दिया।

डॉ.ज्योति जुनगरे क्रीडा अधिकारी ने छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए खेल एवं योग का महत्व बताया।

डॉ. अमिता जोशी ने वाणिज्य संकाय की छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए बताया कि छात्राऍं सुरक्षित माहौल में अपनी पढ़ाई पूर्ण करती है।

डॉ. कीर्ति दीक्षित ने बताया कि महाविद्यालय में आत्मरक्षा के लिए कराते का प्रशिक्षण दिया जाता है।

डॉ. रीना मालवीय ने बताया कि जीवविज्ञान की छात्राओं के लिए आहार एवं पोषण (सी एन डी) एक रोजगारोन्मुखी विषय है। जिसमें छात्राओं को अस्पतालों डाइटिशियन का रोजगार प्राप्त हो सकता है।

श्री अजय तिवारी ने बताया है महाविद्यालय में वाणिज्य विषय से जुडे रोजगार के अवसर बताए एवं छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान किया ।

SWAYAM (NPTEL) Local Chapter की शुरूआत

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि महाविद्यालय में SWAYAM (स्टडी ऑफ एक्टिवलर्निंग फॉर यंग एस्पाइरिंग मांइड्स) का लोकल चेप्टर प्रारंभ किया गया। जिसका क्रमांक 4056 है। SWAYAM मानव संसाधन मंत्रालय भारत सरकार तथा NPTEL (नेशनल प्रोग्राम ऑफ टेक्नोलॉजी इनहेंस्ड लर्निंग) आई.आई.टी. मद्रास (चेन्नई) द्वारा विकसित ऑनलाईन शिक्षा का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जिसके माध्यम से 1200 से अधिक विभिन्न पाठ्यक्रम सरलतापूर्वक कर सकते है SWAYAM- NPTEL ऑनलाईन पोर्टल से मानविकी, समाज विज्ञान,, प्रोग्रामिंग, व्यवसाय गणित, विज्ञान, शिक्षा एवं शिक्षण, स्वास्थ्य एवं औषधी, व्यक्तित्व विकास, इंजीनियरिंग, कला एवं डिजाइन, बायोटेक्नालाजी, कृषि, पोषण,पर्यावरण विज्ञान, एनीमेशन आदि में विभिन्न समयावधि जैसे कि दो सप्ताह, चार सप्ताह, आठ सप्ताह आदि के सर्टिफिकेट, डिग्री पाठ्यक्रम पूर्ण कर सकते है। लोकल चेप्टर के प्रभारी (SPOC) डॉ. अरूण सिकरवार ने बताया कि SWAYAM के माध्यम से आवेदक को आई.आई.टी. बाम्बे, आई.आई.टी. दिल्ली, आई.आई.टी. गुवाहाटी, आई.आई.टी. कानपुर, आई.आई.टी. कानपुर, आई.आई.टी. खड्गपुर, आई.आई.टी. मद्रास, आई.आई.टी. रूडकी, आई.आई.एस.सी. बैंगलोर, इग्नू आदि देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से पाठ्यक्रम एवं सर्टिफिकेट कार्यक्रम घर बैठे ऑनलाईन कर सकते है। शुल्क संबंधी अधिक जानकारी के लिए बेवसाईट www.swyam.gov.in पर जानकारी प्राप्त कर सकते है तथा गूगल प्लेस्टोर से SWAYAM App डाउनलोड कर अपने आवेदन 14 सितम्बर 2020 के पूर्व ऑनलाईन भर सकते है। सर्टिफिकेट संबंधी अध्ययन सामग्री एवं वीडियो आदि निःशुल्क बेवसाईट से डाउनलोड किए जा सकते है ।

जैवविविधता पंजी एवं जैवविविधता प्रबंधन

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद में आज दिनॉक 18.08.2020 को प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के निर्देशन में म.प्र जैव विविधता बोर्ड की परियोजना जिसके अंतर्गत लोक जैवविविधता पंजी एवं

जैवविविधता प्रबंधन समिति का निर्माण किया जाना है पर बैठक आयोजित की गई प्राचार्य डॉ. जैन ने बताया कि लोक जैवविविधता पंजी एवं जैवविविधता प्रबंधन समिति का निर्माण भविष्य में अपनी जैव संपदा से अवगत कराने एवं जैवविविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे महाविद्यालय में जैवविविधता संर्वधन एवं संरक्षण पर कार्य किए जा रहे है वर्तमान में लगभग 165 प्रजातियों के पेड पौधे उपलब्ध है जो महाविद्यालय की एक बडी उपलब्धी है। उपरोक्त परियोजना कार्य में महाविद्यालय तकनीकि सहायता समूह के रूप में कार्य करेगा।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मनोज सरयाम ने बताया कि जैवविविधता प्रबंधन समिति जिले में पूर्व से ही कार्यरत है एवं कुछ ग्रामों में इसका निर्माण किया जाना है इस कार्य हेतु जिला पंचायत की ओर से आवश्यक सहयोग किया जावेगा।

समिति के समन्वयक प्रो. डॉ. रवि उपाध्याय शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिपरिया ने बताया कि उक्त परियोजना का उद्देश्य ग्राम स्तर पर जैवविविधता पंजीयन समिति एवं लोक जैवविविधता पंजी का निर्माण करना है यह कार्य वन विभाग, कृषि विभाग, वागवानी विभाग, मतस्य विभाग के सहयोग से पूर्ण किया जावेगा। जैव विविधता एक्ट 2002 के अनुच्छेद 44/1 के अंतर्गत जैवविविधता समिति का निर्माण एवं अनुच्छेद 22/6 के अंतर्गत सुनिश्चित किया गया है एवं अनुच्छेद 44/2 और 3 के तहत जैवविविधता से संबंधित व्यवसायीयो से लेवी अथवा शुल्क लिए जाने का प्रावधान है।

बैठक में डॉ. अरूण सिकरवार, परियोजना प्रभारी डॉ. मनीषचंद्र चौधरी एवं श्री अखिलेश यादव उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण गंदगी मुक्त भारत अभियान

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण गंदगी मुक्त भारत अभियान के तहत आज दिनॉक 18.08. 2020 को शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद में एन.एस. एस. प्रभारी डॉ. ज्योति जुनगरे एवं डॉ. हर्षा चचाने द्वारा वार्ड क्र 01 के स्लम एरिया में पहुॅचकर प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के निर्देशन में रहवासियों को मास्क वितरित किए सोशल डिस्टेन्स, साफ सफाई, व्यक्तिगत सफाई अपने आस पास गंदगी दूर करने, थूकने पर जुर्माना आदि पर जागरूक किया एवं सभी को शपथ दिलाई। इस अवसर पर वार्ड क्र. 01 के पार्षद श्री तेजकुमार गौर, रामबाई, लक्ष्मी, छोटू, मोनू, रवि, कला बाई, सावित्री बाई, मुन्नी, राकेश, महेश, काकू, भूरा आदि शासन के निर्देशानुसार सोशल डिस्टेन्स का पालन करने उपस्थित थे। सभी ने बताई गई समझाईस पर सहमति दी।

SWAYAM Portal, स्टूडेन्ट इंफॉरमेशन सिस्टम (SIS)

आज दिनॉक 18.08.2020 को शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद में प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के संरक्षण में SWAYAM Portal, स्टूडेन्ट इंफॉरमेशन सिस्टम (SIS) एवं विवि की परीक्षा संबंधी जानकारी विषयों पर गूगल मीट के माध्यम से महाविद्यालय के सभी संकाय की छात्राओं से बैठक का आयोजन किया गया। आई टी सेल प्रभारी डॉ. अरूण सिकरवार ने बैठक का प्रतिनिधित्व किया। इस बैठक में प्रशासनिक अधिकारी डॉ. श्रीकान्त दुबे का महत्ववपूर्ण योगदान रहा। इस बैठक में उत्कृष्ठ महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग से डॉ. आर के श्रीवास्तव एवं एम पी ऑन लाईन बरकतउल्लाह विवि से श्री आशीष मिश्रा जिले के एस.आई.एस. प्रभारी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

डॉ. आर के श्रीवास्तव ने SWAYAM Portal जो NPTEL के साथ संयोजन से फ्रीकोर्सेस छात्राओ के लिए चलाता है के बारे में बहुत ही विस्तार से जानकारी दी इसमे होने वाले लाभ में इंटर्नशिप, जॉब वर्क आदि से जानकारी दी उन्होने बताया कि पंजीयन, एसाइंनमेंट, सभी फ्री उपलब्ध है। एक समय में अनेक कोर्स में पंजीयन कर सकतें है आप अपनी उपयुक्त भाषा में इन प्रोग्राम से संबंधित

व्याख्यानों को ऑनलाईन या आफलाईन सुन सकते है। ये प्रोग्राम सभी विषयों में उपलब्ध है। शासकीय गृहविज्ञान महाविद्यालय का इस पोर्टल पर पेज उपलब्ध है। डॉ. श्रीवास्तव ने छात्राओं के अनेक प्रश्नो का उत्तर देकर उन्हे इस पोर्टल के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। छात्राओं ने चैट के माध्यम से भी अपने प्रश्न पूछे।

आई टी सेल प्रभारी डॉ. अरूण सिकरवार ने सभी छात्राओं को SWAYAM Portal, पंजीयन और कोर्स चयन की विस्तार से जानकारी दी। उन्होने इससे संबंधित छात्राओं के प्रश्नो के भी जवाब दिये। उन्होने बताया कि 14 सितम्बर 2020 तक कोर्स पंजीयन करने की अंतिम तिथि है। साथ ही उन्होने विवि की परीक्षा संबंधी जानकारी एवं इससे संबंधित छात्राओं के विभिन्न प्रश्नो के उत्तर भी दिये। छात्राओं को ऑनलाईन प्लेटफार्म का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

आई टी सेल श्रीमती आभा वाधवा एवं बलराम यादव ने एमपीऑनलाईन के स्टूडेन्ट इंफॉरमेशन सिस्टम के संबंध में विस्तार से बताया। इस पर पंजीयन की जानकारी स्क्रीन शेयर के माध्यम से बहुत ही सरल विधि से छात्राओं को बैठक में बताई गयी। स्टूडेन्ट इंफॉरमेशन सिस्टम (SIS) से संबंधित छात्राओं के प्रश्नो के उत्तर भी इस बैठक में दिये गये। इसमें पंजीयन केवल अंतिम वर्ष के लिए ही आवश्यक है। अभी इसकी अंतिम तिथि की घोषणा नही हुई है।

श्री आशीष मिश्रा स्टूडेन्ट इंफॉरमेशन सिस्टम (SIS) में पंजीयन की तकनीकि जानकारी दी। उनसे छात्राओं ने प्रश्न पूछकर अपनी समस्याओं का समाधान किया।

आज की इस ऑनलाईन बैठक में गूगल मीट के माध्यम से महाविद्यालय के सभी संकाय के प्राध्यापकों तथा लगभग 550 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। आई टी सेल के शैलेन्द्र तिवारी, जलज श्रीवास्तव, मनोज सिसोदिया एवं राजेश यादव ने इस बैठक हेतु तकनीकि सहयोग प्रदान किया। यह बैठक पूर्णतः इंटरैक्टिव रही। इस प्रकार की मीटिंग जिसमें ओपन बुक, परीक्षा, मूल्यांकन आदि में आने वाली समस्याओं से संबंधित जानकारी हेतु महाविद्यालय द्वारा भविष्य में लगातार की जायेंगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं क्रीडा विभाग

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण गंदगी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना एवं क्रीडा विभाग के तत्वाधान में प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में डॉ. ज्योति जुनगरे एवं डॉ. हर्षा चचाने के नेतृत्व में महाविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने श्रमदान कर पौधारोपण किया एवं प्राचार्य द्वारा शपथ दिलाई गई। सभी को महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखना है थूकने व अनावश्यक गंदगी करने पर 500 रूपये का जुर्माना भी रखा गया है। इस सभी अपनी सहमति व्यक्त की एवं शपथ पत्र भरकर अपनी सकारात्मक उपस्थिति दर्ज कराई।

ओपन बुक परीक्षा

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि बरकतउल्लाह विवि भोपाल द्वारा विश्वविद्यालय की बेवसाईट पर स्नातक अंतिम वर्ष एवं स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर तथा डिप्लोमा कोर्स, बी.एड. आदि के प्रश्नपत्र दिनॉक 10.09.2020 को प्रातः 10 बजे अपलोड कर दिये गये है। विद्यार्थियों को दिनॉक 14.09.2020 तक विवि की बेवसाईट पर यह उपलब्ध रहेंगे। विद्यार्थी इन प्रश्नपत्रों के उत्तर स्वयं बनाई गई उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। विवि द्वारा निर्देश दिये गये है कि उत्तरपुस्तिका में अधिकतम 16 पेज होने चाहिए तथा उत्तरपुस्तिका के साथ विद्यार्थी अपने प्रवेशपत्र की फोटोकापी एवं विवि द्वारा निर्धारित प्रथम पेज लगाना अनिवार्य है। विद्यार्थी दिनॉक 15.09.2020 या 16.09.2020 को जिले में बनाए गये 151 संग्रहण केन्द्रों में से किसी भी संग्रहण केन्द्र पर अपनी उत्तर पुस्तिका जमा कर सकते है। जिले से बाहर के

महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी को संबंधित जिले के अग्रणी महाविद्यालय में अपनी उत्तर पुस्तिका स्पीड पोस्ट से भेजनी होगी।

डॉ. जैन ने बताया कि अग्रणी महाविद्यालय द्वारा 151 केन्द्रों के लिए 10 रूट चार्ट बनाए गये है। जिनके लिए 40 प्राध्यापकों को जोनल प्रभारी नियुक्त किया गया है। जो दिनॉक 15 एवं 16 सितम्बर 2020 को विभिन्न संग्रहण केन्द्रों पर जाकर निरीक्षण करेंगे एवं संग्रहण केन्द्र की रिपोर्ट गूगल फार्म के माध्यम से अग्रणी महाविद्यालय को उपलब्ध करायेंगे।

महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. श्रीकान्त दुबे ने बताया कि स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर के स्वध्यायी/ऐटीकेटी एवं पूर्व विद्यार्थी आंतरिक मूल्यांकन उत्तर पुस्तिका किसी भी संग्रहण केन्द्र पर दिनॉक 15 एवं 16 सितम्बर को जमा कर सकते है। आंतरिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र सभी अग्रेषण महाविद्यालय द्वारा अपने महाविद्यालय की बेवसाईट पर अपलोड कर दिये गये है। यदि किसी विद्यार्थी को कोई असुविधा हो तो अपने महाविद्यालय से संपर्क करे।

श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन पर वृक्षारोपण कार्यक्रम

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं होशंगाबाद जिले के गणमान्य नागरिकों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने महाविद्यालय में सेवा सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी यह भी बताया कि कुछ प्रतियोगिताएँ ऑनलाईन आयोजित की जा रही है जिसमें स्लोगन, निबंध, चित्रकला, क्विज आदि है जिसमें प्रतियोगियों को ऑनलाईन प्रमाण पत्र भी प्रदान किये जा रहे है। राष्ट्रीय सेवा योजना सेवा ईकाई नं 1 की प्रभारी डॉ. ज्योति जुनगरे ने बताया कि पौध रोपण के दौरान फूलदार एवं फलदार पौधे रोपे गये है। राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने इन पौधों के रखरखाव की जिम्मेदारी ली है। राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई 2 की प्रभारी डॉ. हर्षा चचाने ने बताया कि इस प्रकार के वृक्षारोपण के कार्यक्रम संपूर्ण जिले में अन्यत्र जगहों पर भी सम्पन्न किये जायेंगे।

एन.एस.एस. डे

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय होशंगाबाद में दिनॉक 24.09.2020 को एन.एस.एस. डे का कार्यक्रम सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए समपन्न किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन के कर कमलों द्वारा मॉ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस समय संगीत विभाग के श्री प्रेमकान्त कटंगकार एवं श्री रामसेवक शर्मा द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गयी। इसके पश्चात रासेयो की पूर्व नेशनल अवार्ड प्राप्त कु सौम्या चौहान द्वारा लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया गया। डॉ. रागिनी दुबे पूर्व जिला समन्वयक द्वारा रासेयो के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि एन.एस.एस का उद्देश्य ही समाज सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास करना है विद्यार्थियों का श्रम के प्रति रूझान हो ऐसा प्रयास होना चाहिए एवं प्राचार्य ने 51 वें एन.एस.एस. डे पर सभी को शुभकामनाएँ दी।

इस अवसर पर स्वयंसेविकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये कु. पूनम मंसोरिया ने लावणी नृत्य किया कु. अंजली उईके एवं कामिनी गहलोद ने आदिवासी नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी कु. सुरभी अग्रवाल ने लोकगीत प्रस्तुत किया एवं अवसर पर स्वयंसेविकाओं ने बताया कि हमने कोविड 19 के दौर में विपरीत परिस्थिति में लोगों की सहायता की।

इस अवसर पर एनएसएस प्रभारी डॉ. हर्षा चचाने ने मंच संचालन करते हुए बताया कि रासेयो विद्यार्थी जीवन की महत्वपूर्ण कडी है जिसकी बजह से मनुष्य की अलग पहचान बनती है। अंत में डॉ. ज्योति जुनगरे ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्योक विद्यार्थी को एनएसएस से जुडना चाहिए और एनएसएस के उद्देश्यों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए आगे बढ़ना चाहिए ।

ऑनलाईन कक्षाएँ

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि 1 अक्टूबर से जिले के समस्त महाविद्यालयो में ऑनलाईन कक्षाएँ संचालित की जावेगी इस हेतु उच्च शिक्षा विभाग के अपर आयुक्त महोदय ने प्रदेश के सभी अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्यो की गूगल मीट 28 सितम्बर को आयोजित की जिसमें उन्होने बताया कि सभी महाविद्यालय विषयवार, कक्षावार एवं समयवार समय सारणी बनाऐंगे तथा समस्त शिक्षक विद्यार्थियों के वाट्सएप ग्रुप बनाऐंगे। ऑनलाईन कक्षाएँ गूगल मीट अथवा बेवेक्स या माईक्रोसाफ्ट टीम एप के माध्यम से आयोजित की जावेगी शिक्षक इन विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करेंगे तथा प्रति सप्ताह ली गई कक्षाओं की जानकारी उच्च शिक्षा विभाग को भेजेंगे। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय होशंगाबाद में दिनॉक 29.09.2020 को आई टी सेल द्वारा महाविद्यालय के सभी शिक्षकों को गूगल मीट के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जावेगा।

डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि महाविद्यालय में विज्ञान,कला, वाणिज्य एवं गृहविज्ञान संकायो के लिए ऑनलाईन कक्षा संचालन समितियों का गठन कर दिया गया है तथा विद्यार्थियों के वाट्सएप ग्रुप भी बना लिए है। जिनको गूगल मीट की लिंक शेयर करके दिनॉक 29.09.2020 को एक मॉक टेस्ट भी किया जायेगा जिससे छात्राएँ ऑनलाईन कक्षाओं की प्रक्रिया को समझ सके।

महाविद्यालय के आई टी सेल के नोडल अधिकारी डॉ. अरूण सिकरवार ने बताया कि जिन स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं ने वाट्सएप नंबर बदल लिऐ हो वे महाविद्यालय में अपने विषय शिक्षक से संपर्क करके वाट्सएप ग्रुप में अपडेट करवा लेवे। महाविद्यालय के कई शिक्षकों ने ऑनलाईन कक्षाओं के लिए पावर पाइंट प्रजेंटेशन एवं वीडियो भी तैयार कर लिए है जिनके माध्यम से छात्राओं को अध्यापन कार्य कराया जायेगा।